No. of Printed Pages : 4

MSK-002

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.एस.के.-002 : व्याकरण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

निर्देश : *इस प्रश्न-पत्र में कुल दस प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं।*

1. 'पदान्तस्य' सूत्र की व्याख्या उदाहरण सहित और 'हरिणा' पद की सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि-प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

'रामेण' पद की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि-प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए।

2. 'हरि' शब्द के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए और 'मति' शब्द के समान रूप चलने वाले किन्हीं **पाँच** ह्रस्व इकारान्त, स्त्रीलि शब्दों का उल्लेख कीजिए। 10

अथवा

'राम' शब्द के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए और 'साधु' शब्द के समान रूप चलने वाले किन्हीं **पाँच** ह्रस्व उकारान्त पुल्लि शब्दों का उल्लेख कीजिए।

3. 'तस्माच्छसो नः पुंसि' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या प्रस्तुत कीजिए। 10

अथवा

'साधो' पद की रूपसिद्धि की प्रक्रिया लिखिए।

4. 'व्रजम् अवरुणद्धि गाम' यहाँ रेखाि त पद में प्रयुक्त विभक्ति के विधायक सूत्र का उल्लेख करते हुए उक्त उदाहरण वाक्य को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

'हरये रोचते भक्तिः' इस प्रयोग की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि करते हुए कारक स्पष्ट कीजिए।

5. (क) 'ज्ञानम्' **अथवा** 'वारि' शब्द की सिद्धि-प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक स्पष्ट कीजिए। 5

(ख) 'भवानि' **अथवा** 'कविता' की सिद्धि-प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक स्पष्ट कीजिए। 5

6. (क) 'अकथितं च' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 5

(ख) 'अति रति क्रमणे च' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 5

7. (क) 'लोट च' **अथवा** 'सार्वधातुकार्धधातुकयोः' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 5

(ख) 'अभत' **अथवा** 'भविष्यति' की सिद्धि-प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए। 5

8. (क) 'साधकतमं करणम्' **अथवा** सह्युक्तेऽप्रधाने' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 5

(ख) 'एधते' **अथवा** 'एधाञ्चक्रे' की सिद्धि-प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए। 5

9. 'खश' प्रत्यय **अथवा** 'क्त' प्रत्यय की सोदाहरण विस्तृत व्याख्या कीजिए। 10

10. 'तत्प्रयोजको हेतुश्च' सूत्र की व्याख्या कीजिए। 10